DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

the pioneer
NAME OF NEWSPAP NEW DELHI | FRIDAY | JUNE 16, 2023

Drain near IGIA to be completed by July to end waterlogging in area

STAFF REPORTER ■ NEW DELHI

The crucial Indira Gandhi International (IGI) Airport drain being constructed by the Delhi Development Authority is expected to be completed by July and will bring respite from any possible waterlogging incidents in the area.

Delhi Lieutenant Governor Vinai Kumar Saxena inspected the progress of the work on the drain on Thursday, his seventh such visit, the statement issued by his office said.

During the inspection, the LG was informed by officials that 95 per cent of the work, like broadening and deepening of drains, construction of a culvert

beneath the passing railway track and construction of five water bodies in different sectors of Dwarka to absorb the rainwater during monsoons had been completed, it said.

"Record efforts put in by the DDA along with the Railways and DIAL (Delhi International Airport Limited) during the last eight months under consistent supervision and personal guidance of Delhi LG have ensured that the 2.5-Km-long, 20-metre-wide and 2-metre-deep airport drain will be ready by July," the statement said. The drain will channelise rain and stormwater discharge from the airport to the Najafgarh drain.

"The project was stuck since 2019 due to the lack of permission to relocate trees at the site, which was finally granted by the Delhi government in November 2022 after the LG's intervention," it said. According to the statement, the lack of drainage in the area had time and again led to embarrassing waterlogging at the IGI Airport, and created problems like traffic snarls for thousands of residents of neighbouring Dwarka sectors.

The existing two drains at the IGI airport have proved insufficient for discharging rainwater from the airport which has often resulted in severe waterlogging in and around the airport during heavy rains, the statement said.

Heavy waterlogging even forced closure of the IGI Airport on many occasions. It also causes flooding in the adjoining Dwarka Sector-8, which houses several prominent government organisations, it said.

पंजाब केसरी
DELHI
16 जून, 2023 ▶ शुक्रवार

आईजीआई और द्वारका को जलभराव से मिलेगी राहत

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : इस जुलाई से पहली बार द्वारका में आईजीआई हवाई अड्डे और आसपास के क्षेत्रों में जल जमाव की भारी समस्या से मुक्त होने की उम्मीद है। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) वी के सक्सेना की लगातार निगरानी और मार्गदर्शन में

पिछले 8 महीनों के दौरान डीडीए और रेलवे ने रिकॉर्ड गति से काम किया, जिसके परिणामस्वरूप 2.5 किलोमीटर लंबी, 20 मीटर चौड़ी और 2 मीटर गहरी एयरपोर्ट ड्रेन परियोजना का काम जुलाई में पूरा होने वाला है। इससे इस वर्ष मॉनसून में इस पूरे इलाके में जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा। यह काम रिकॉर्ड समय में पूरा हो सके इसके लिए उपराज्यपाल ने एक अनौपचारिक समिति गठित की, जिसमें सदस्य इंजीनियरिंग (डीडीए), महाप्रबंधक (उत्तरी रेलवे) और डीआईएएल के एक वरिष्ठ कार्यकारी शामिल हैं, जिन्होंने लगातार प्रयासों के साथ परियोजना को निष्पादित किया और जिसकी उपराज्यपाल लगातार निगरानी करते रहे। क्षेत्र में जल निकासी की कमी से आईजीआई हवाई अड्डे पर बार-बार जल जमाव की समस्या से शर्मिंदगी उठानी पड़ती थी।

गुरुवार को एलजी ने एयरपोर्ट ड्रेन प्रोजेक्ट पर जारी कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। पिछले साल नवंबर में काम शुरू होने के बाद से इस जगह का यह उनका 7वां दौरा था। उन्हें बताया गया कि मानसून में बारिश के पानी को अवशोषित करने के लिए द्वारका के विभिन्न क्षेत्रों में नालों के चौड़ा और गहरा करने, रेलवे ट्रैक के नीचे पुलिया का निर्माण और 5 जलाशयो के निर्माण संबंधित कार्य 95 प्रतिशत तक पूरे कर लिए गए हैं।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

अमर उजाला नई दिल्ली | शुक्रवार, 16 जून 2023

नई दिल्ली समेत कई इलाकों में दो दिन नहीं आएगा पेयजल

चंद्रावल संयंत्र से निकलने वाली जीतगढ़ यूजीआर की मुख्य लाइन में आई लीकेज

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। सोनीपत स्थित मुनक नहर में दरार आने के साथ-साथ चंद्रावल जल शोधक संयंत्र से निकलने वाली जीतगढ़ यूजीआर की राइजिंग मुख्य लाइन में लीकेज हो गई है। इन दोनों कारणों से भीषण गर्मी में नई दिल्ली समेत करीब आधी दिल्ली में पेयजल संकट पैदा हो गया है। चंद्रावल संयंत्र की पाइपलाइन को शुक्रवार को सही करने की शुरुआत होगी और शनिवार तक लाइन को दुरुस्त किए जाने की संभावना है।

दिल्ली जल बोर्ड के अनुसार चंद्रावल संयंत्र से शुक्रवार की शाम और शनिवार की सुबह पानी की आपूर्ति नहीं होगी। इस कारण नई दिल्ली, सिविल लाइंस, हिंदू राव अस्पताल और आसपास के क्षेत्र, कमला नगर, शक्ति नगर और आसपास के क्षेत्र, करोल बाग, पहाड़गंज, राजेंद्र नगर, पटेल नगर, बलजीत नगर, प्रेम नगर, इंद्रपुरी और आसपास के इलाके, छावनी क्षेत्र और दक्षिणी दिल्ली के इलाके में पेयजल संकट रहेगा। जल बोर्ड ने इलाके के निवासी से पानी का भंडारण करने और पानी कम उपयोग करने की अपील की है। इसके अलावा आपात स्थिति में पानी का टैंकर मंगाने का आग्रह किया है।

दूसरी ओर हरियाणा के सोनीपत स्थित बडवासनी गांव के पास मुनक नहर के कैरियर लाइन्ड चैनल में आई दरारें सही नहीं हुई है। इस कारण दिल्ली के करीब 30 प्रतिशत हिस्से में पेयजल आपूर्ति करने वाले संयंत्रों में कच्चे पानी की दिक्कत आ गई है और उनमें पानी का उत्पादन प्रभावित हो गया है।

एयरपोर्ट, द्वारका को मिलेगी जलभराव से राहत

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट और द्वारका में रहने वालों को मानसून में जलभराव की समस्या नहीं होगी। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की ओर से एयरपोर्ट ड्रेन का 95 फीसदी काम पूरा कर लिया गया है। जुलाई तक इसके शुरू होने से क्षेत्रवासियों को राहत मिलने की उम्मीद है। 2019 से मंजूरी मिलने में देरी से काम रुका हुआ था। उपराज्यपाल वीके सक्सेना 2.5 किलोमीटर के ड्रेन निर्माण का बृहस्पतिवार को निरीक्षण किया। एलजी की देखरेख और मार्गदर्शन में पिछले आठ महीनों के दौरान रेलवे और डायल के साथ डीडीए के प्रयासों से इस परियोजना को पूरा किया जा रहा है।

क्षेत्र में जल निकासी का इंतजाम नहीं होने से अक्सर आईजीआई हवाई अड्डे पर जलभराव की समस्या से हवाई अड्डे और द्वारका के अलग-अलग सेक्टरों के निवासियों की परेशानियां बढ़ गई थी। कई बार बारिश के दौरान आसपास की सड़कों पर ट्रैफिक जाम की समस्या से भी जूझना पड़ रहा था। ब्यूरो

95% काम पूरा

एलजी को बताया गया कि मानसून के दौरान जलभराव की समस्या नहीं हो इसलिए द्वारका के अलग अलग क्षेत्रों में नालों की चौड़ाई और गहराई को बढ़ाने के साथ ही रेलवे ट्रैक के नीचे एक पुलिया का निर्माण भी किया जा रहा है। क्षेत्र में 5 जल निकायों सहित निर्माण कार्य तकरीबन 95 फीसदी पूरा कर लिया गया है। इससे आईजीआई हवाई अड्डा से नजफगढ़ नाले तक बारिश के दौरान निकलने वाले पानी को जलाशयों तक भेजा जाएगा। इससे जलभराव की समस्या नहीं आएगी।

नई दिल्ली। शुक्रवार • 16 जून • 2023 राष्ट्रीय सहारा

केशवनगर में डीडीए ने अतिक्रमण हटाया

■ नई दिल्ली (एसएनबी)।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के बुराड़ी से लगे केशवनगर में बृहस्पतिवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के दस्ते ने अदिक्रमण हटाया। कार्रवाई के लिए प्राधिकरण का दस्ता जैसे ही पहुंचा, लोगों ने विरोध किया, लेकिन भारी पुलिस बल के चलते स्थानीय लोग अधिक देर तक विरोध नहीं कर सके। प्राधिकरण का आरोप है कि यहां -अनधिकृत रूप से निर्माण किया गया था। हालांकि प्राधिकरण ने एक नोटिस भेजकर निर्माण हटाने को कहा था, लेकिन लोगों ने ऐसा नहीं किया।

प्राधिकरण का दस्ता बृहस्पतिवार को सुबह केशवनगर पहुंचा और तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू की। स्थानीय पार्षद राहुल शर्मा लोगों की मदद के लिए मौके पर पहुंचे, लेकिन पुलिस ने उन्हें समझा-बुझाकर वापस कर दिया। हालांकि बाद में वे डीडीए की कार्रवाई का विरोध करते दिखे। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह काफी पुरानी कॉलोनी है। उनका आरोप है कि डीडीए उनके साथ अन्याय कर रहा है। हमने खून-पसीने की कमाई से जगह खरीदकर मकान बनाए थे, लेकिन प्राधिकरण ने एक ही झटके में ध्वस्त कर दिए।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS-- millenniumpost
NEW DELHI | FRIDAY, 16 JUNE, 2023 -ED----------

IGI Airport drain to be ready by July, says L-G's office

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: The crucial Indira Gandhi International (IGI) Airport drain being constructed by the Delhi Development Authority is expected to be completed by July and will bring respite from any possible waterlogging incidents in the area, an official statement said on Thursday.

Delhi Lieutenant Governor V K Saxena inspected the progress of the work on the drain on Thursday, his seventh such visit, the statement issued by his office said.

During the inspection, the L-G was informed by officials that 95 per cent of the work, like broadening and deepening of drains, construction of a culvert beneath the passing railway track and construction of five water bodies in different sectors of Dwarka to absorb the rainwater during monsoons had been completed, it said.

"Record efforts put in by the DDA along with the Railways and DIAL (Delhi International Airport Limited) during the last eight months under consistent supervision and personal guidance of Delhi L-G have ensured that the 2.5-Km-long, 20-metre-wide and 2-metre-deep airport drain will be ready by July," the statement said. The drain will channelise rain and stormwater discharge from the airport to the Najafgarh drain.

"The project was stuck since 2019 due to the lack of permission to relocate trees at the site, which was finally granted by the Delhi government in November 2022 after the L-G's intervention," it said.

According to the statement, the lack of drainage in the area had time and again led to embarrassing waterlogging at the IGI Airport, and created problems like traffic snarls for thousands of residents of neighbouring Dwarka sectors.

The existing two drains at the IGI airport have proved insufficient for discharging rainwater from the airport which has often resulted in severe waterlogging in and around the airport during heavy rains, the statement said.

Heavy waterlogging even forced closure of the IGI Airport on many occasions. It also causes flooding in the adjoining Dwarka Sector-8, which houses several prominent government organisations, it said.

The five water bodies in Dwarka being developed by the DDA will be used for storing overflowing rainwater during the monsoon. These 4-metre-deep water bodies can accommodate 12.20 crore litres of water, thereby preventing flooding of the streets, it said.

The airport drain will discharge 70,000 litres of water per second during the peak rains. The drain would start from inside the IGI Airport premises, pass beneath the railway tracks through a broadened culvert adjoining the airport boundary in Dwarka Sector-8 and connect to DDA's trunk drain, 2 (TD-2), which would further channelise the rainwater to the Najafgarh drain, according to the statement.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
FRIDAY, JUNE 16, 2023
NAME OF NEWSPAPERS---------- DATED----------

Rain Relief: IGI Drain To Be Ready By July

May Solve Waterlogging Woes Of Airport, Dwarka

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: The perennial problem of waterlogging near Indira Gandhi International Airport and neighbouring sectors of Dwarka is likely to get solved permanently this year with Delhi Development Authority constructing a drain connecting the area with the Najafgarh drain.

The LG secretariat on Thursday said the drain was almost 95% built and was likely to be ready by July when the monsoon generally reaches Delhi.

"Record efforts put in by DDA along with the railways and Delhi International Airport Limited in the last eight months under constant supervision and personal guidance of LG VK Saxena have ensured that the 2.5 km long, 20 metres wide and two metres deep airport drain, aimed at permanently freeing the area of flooding during the monsoons, will be ready by July," the LG secretariat said, adding that Saxena inspected the project on Thursday, his seventh visit since the construction began in November last.

According to officials, lack of drainage in the area had led to waterlogging at IGI Airport several times and made life difficult for thousands of residents of neighbouring Dwarka sectors due to resultant traffic snarls on busy roads in and around the area.

The completed work included broadening and deepening of drains, construction of a culvert beneath a railway track and construction of five waterbodies in different sectors of Dwarka to absorb the rainwater during monsoons.

The drain will channelise the rain and stormwater discharge from the airport to the Najafgarh drain.

The LG office said the project had been stuck since 2019 due to pending permissions for tree cutting and translocation from the Delhi government. "It was only after the LG's intervention that permission for tree translocation was given and the work on the airport drain commenced on November 20, 2022," said an official.

The LG secretariat said the drain was almost 95% built and likely to be ready by next month

Though there were two drains in the area, it proved insufficient for discharging the huge amount of rainwater from the airport, which often resulted in severe waterlogging in and around the airport during heavy rain and thus causing disruption and cancellation of flights leading to inconvenience to the passengers.

Heavy waterlogging often led to the closure of the airport on many occasions, the LG office said, adding it also caused flooding in the adjoining Dwarka Sector 8, which houses several prominent government organisations. During the LG's visits to Dwarka, the residents had complained of crippling waterlogging in several areas.

Five waterbodies, with a capacity of 12.2 crore litre, in Dwarka region will be used for storing the overflowing rainwater during monsoons. "Apart from serving as recreational open spaces for the residents of Dwarka, the waterbodies will also help recharge the groundwater and raise the water table," said an official.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
FRIDAY, JUNE 16, 2023 ERS- -DATED-

Trapped by fire and smoke, coaching centre students rappel down to safety

New Delhi: At least 500 students enrolled at coaching centres inside a four-storey building — a DDA commercial centre — at Mukherjee Nagar had a narrow escape on Thursday when a short circuit in an electricity meter installed in the staircase on the ground floor sparked a small fire. The incident happened around 12.20pm and filled the narrow staircase with thick smoke, **reports Abhay**.

It could have easily been a repeat of the Surat incident of 2019 in which 22 students died in a blaze. A big tragedy was averted on Thursday because of sheer providence. While most students escaped by rappelling down from the building, one girl who fell from a window is in critical condition after suffering head injuries. A small blast had alerted the rest of the occupants in the basement, first and second floors, who made good their escape within minutes, but those on the fourth floor were left groping in the dark, unable to figure out the intensity of the fire. As the smoke travelled upwards, panic set in.

The students began sliding down the building using AC cables. A rope found on the terrace also came in handy

The fire brigade had received multiple distress calls at 12.27pm and 11 fire tenders were rushed to the building, Bhandari House, near Batra Cinema. The students complained about the fire brigade having reached after 20-25 minutes, an allegation that the Delhi Fire Service denied.

▶**Related report, P 2**

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 16 जून, 2023

एयरपोर्ट ड्रेन परियोजना का काम जुलाई में पूरा करने का किया दावा

- बरसात में आइजीआइ एयरपोर्ट व आसपास नहीं होगा जलभराव
- उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने परियोजना का किया निरीक्षण

अधिकारियों के साथ ड्रेन परियोजना का निरीक्षण करते एलजी • सौ. एलजी कार्यालय

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली : दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने दावा किया है कि इस मानसून इंदिरा गांधी एयरपोर्ट (आइजीआइ) और उसके आसपास के क्षेत्रों में जलजमाव की समस्या नहीं होगी। बीते आठ महीनों से डीडीए और रेलवे दोनों विभाग मिलकर आइजीआइ के पास ढाई किलोमीटर लंबी, 20 मीटर चौड़ी और दो मीटर गहरी एयरपोर्ट ड्रेन परियोजना पर काम कर रहे हैं। डीडीए ने जुलाई में इस परियोजना को पूरा करने का आश्वासन दिया है।

यह काम तय समय में पूरा हो सके इसके लिए दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने एक अनौपचारिक समिति गठित की थी। इसमें डीडीए के सदस्य इंजीनियरिंग, उत्तरी रेलवे के महाप्रबंधक और डायल के एक वरिष्ठ कार्यकारी शामिल हैं। दरअसल, क्षेत्र के अंतर्गत जल निकासी की उच्चतर व्यवस्था नहीं होने के कारण आइजीआइ एयरपोर्ट पर मानसून के दौरान भारी जलभराव की समस्या खड़ी हो जाती है। जलभराव के कारण यातायात प्रभावित होता है।

सातवीं बार उपराज्यपाल ने किया दौरा : एयरपोर्ट ड्रेन परियोजना पर जारी कार्य का बृहस्पतिवार को उपराज्यपाल ने निरीक्षण किया। पिछले साल नवंबर में काम शुरू होने के बाद से इस जगह का यह उनका सातवां दौरा था। अधिकारियों ने उपराज्यपाल को बताया कि मानसून में वर्षा के पानी को अवशोषित करने के लिए द्वारका के विभिन्न क्षेत्रों में नालों को चौड़ा और गहरा करने के साथ-साथ रेलवे ट्रैक के नीचे पुलिया का निर्माण और पांच जलाशयों के निर्माण से संबंधित कार्य 95 प्रतिशत तक पूरा हो गया है। यह प्रमुख जल निकासी परियोजना आइजीआइ एयरपोर्ट से नजफगढ़ नाले तक वर्षा के पानी के बहाव को नियंत्रित करेगी।

जलभराव के कारण फ्लाइट होती है प्रभावित : वर्ष 2019 से यह परियोजना दिल्ली सरकार से पेड़ काटने व पुनर्रोपण की लंबित अनुमति की वजह से अटकी हुई थी। उपराज्यपाल के हस्तक्षेप के बाद ही पेड़ों के पुनर्रोपण की अनुमति मिली और 20 नवंबर 2022 को एयरपोर्ट के पास नाले का काम शुरू हुआ। दरअसल, आइजीआइ एयरपोर्ट पर मौजूदा दो नाले एयरपोर्ट से भारी मात्रा में वर्षा के पानी की निकासी में अपर्याप्त साबित हुए हैं। इसकी वजह से वर्षा के दौरान एयरपोर्ट व उसके आसपास भारी जलभराव की समस्या देखने को मिली। इससे चलते विमान सेवा बाधित व रद्द होने की समस्या खड़ी हो जाती है, जिससे यात्रियों को परेशानी होती है। साथ ही इस कारण कई बार एयरपोर्ट को भी बंद करना पड़ा। वहीं द्वारका सेक्टर-8 स्थित कई प्रमुख सरकारी दफ्तरों में भी भारी वर्षा के दौरान जलजमाव की समस्या खड़ी हो जाती है।

जलाशयों व नजफगढ़ नाले में पहुंचेगा वर्षा का पानी : डीडीए ने एक समग्र और ठोस कदम उठाते हुए द्वारका क्षेत्र में पांच जलाशयों का निर्माण किया है, जिनका उपयोग मानसून के दौरान वर्षा के जल के भंडारण के लिए किया जाएगा। चार मीटर तक की गहराई वाले ये जलाशय 12.20 करोड़ लीटर पानी का संग्रह कर सकते हैं, जिससे सड़कों पर जलभराव को रोका जा सकेगा। साथ ही ये जलाशय द्वारका के निवासियों के लिए खुले मनोरंजक स्थान के रूप में काम करने के अलावा भूजल स्तर को ऊपर उठाने में भी मदद करेंगे। भारी वर्षा के दौरान एयरपोर्ट के नाले से प्रति सेकंड 70 हजार लीटर पानी निकलेगा। यह नाला आइजीआइ एयरपोर्ट परिसर के अंदर से शुरू होगा और द्वारका सेक्टर-8 में एयरपोर्ट की सीमा से सटी एक चौड़ी पुलिया के जरिए रेलवे पटरियों के नीचे से गुजरेगा और डीडीए के ट्रंक ड्रेन-2 से जुड़ जाएगा, जो वर्षा के पानी को नजफगढ़ ड्रेन तक पहुंचाएगी।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS-- THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
FRIDAY, JUNE 16, 2023 --------DATED----------

MCD eye on illegal ads on Mukherjee Ngr buildings

Vibha.Sharma@timesgroup.com

New Delhi: The MCD has decides to launch an anti-defacement drive in the Mukherjee Nagar area from Friday onwards.

The drive aims to check illegal advertisements by commercial establishments that cover the façades of buildings. The decision has been taken in view of the blaze in a coaching centre in a Mukherjee Nagar commercial complex on Thursday. MCD officials said that the huge illegal advertisements cover the buildings, making it difficult to conduct rescue operations.

The MCD has also said that it will gather information about any violation of building bylaws.

"It was a commercial building developed by DDA and we expect that the building norms must have been followed stringently. However, we need to verify details about an illegal extension and violation of building bylaws," an MCD official said. Thursday's fire started from a short circuit near an electric meter on the ground floor.

Mukherjee Nagar is the hub for coaching centres and many are located in residential complexes.

An official said that the Delhi Master Plan allows for operation of an educational institute in a residential area under certain conditions. "They can run the centres after paying conversion charges and registration fees but they have to follow the commercial norms, including fire safety that are applicable to buildings above 9.5 metres in height. This is where violation is happening. For conversion of a residential area into a commercial area, a revised layout plan of the area is supposed to be prepared, but that never happened," the official said.

Referring to a fire at a coaching centre in Surat, the Delhi High Court in June 2019 directed the MCD, DDA and power discoms to conduct a survey of coaching centres and said these centres run air-conditioners in small places to accommodate more students and put their lives at risk. It stated these centres were consuming more power than the sanctioned amount, leading to chances of short circuits and fires. In the same year, the erstwhile North and East Corporation did a survey and sealed some complexes for violation of building and fire safety norms.

DDA okays land use change to shift toll plaza at Ghazipur to avoid jams

Vibha.Sharma@timesgroup.com

New Delhi: Delhi Development Authority (DDA) has approved the change in land use of a plot to construct a five-lane toll plaza with the RFID system and shift the old Ghazipur toll plaza running on the service lane parallel to Delhi-Meerut Expressway to avoid traffic jams.

"We have agreed to change the land use from 'recreational' to 'transportation' and the site is located next to the existing toll plaza. The initiative seeks to decongest the area and maintain smooth flow of traffic at the Ghazipur border," said a DDA official. The decision was taken during a joint DDA meeting on Wednesday, which was attended by lieutenant governor VK Saxena.

The decision has been welcomed by Municipal Corporation of Delhi (MCD), which has been pursuing DDA to provide the 7,205-square-metre land to shift the toll plaza.

"We've been receiving complaints about facing long traffic jams every day at the Ghazipur border service lane due to the toll collection by MCD. We have made two radio-frequency identification device booths and collect toll and environment compensation charges (ECC) there. We have also set up a facility on the pavement to recharge the RFID tags. To avoid traffic jams, we requested DDA to hand over a portion of the vacant land lying next to this booth," said a civic official.

Now that the technical approval has been received, MCD will have to fulfil other formalities before starting the construction work. "We will need to invite public objection and finalise terms and conditions for transferring the land, including the amount we will pay DDA," said the official. "Once the new plaza is built, we will divert commercial vehicles to it."

There are 124 entry points to Delhi and the RFID system has been installed at 13 toll plazas for smooth collection of taxes. These 13 points handle 80-85% of commercial vehicles entering the city. "While the toll tax is collected by MCD from all commercial vehicles, ECC is collected from all goods-carrying vehicles," they said.

To simplify the collection at other places, MCD has prepared a pilot project through FastTag at Kundli. "We are waiting for the permission for the project from the Standing Committee and the House," he said, adding that MCD hopes to install the RFID system at 10 more points.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS Hindustan Times NEW DELHI FRIDAY JUNE 16, 2023

Crowd outside the building in Mukherjee Nagar on Thursday. SANCHIT KHANNA/HT

Among first responders: Shopkeepers, auto drivers

Shiv Sunny
shiv.sunny@hindustantimes.com

NEW DELHI: As soon as news broke of a fire on the ground floor of a four-storey building in Mukherjee Nagar, the roughly 250 students studying at the Gurukul SSC coaching centre, located in the basement of the building, ran to safety. However, they knew that those studying on the upper storeys of the building would not be able to escape that easily.

Smoke was quickly engulfing the building, scores of other students were trapped on the upper floors, and the firefighters were yet to reach the spot.

As panic-struck students from above began a desperate attempt to escape the building by rappelling down a power cable and a water pipeline, those who managed to escape started to lay their personal belongings on the ground. "The only way to save lives was to cushion their fall," said Lovepreet Singh, one of the students who got out early.

At the same time, some students trapped on the upper floors started throwing their bags down, in an attempt to create a soft landing to break their fall.

Others around the site of the fire also pitched in — a tent house owner released over two dozen mattresses, and a garbage collector gave three large sacks of empty plastic bottles he had collected from the local market.

"I knew that empty plastic bottles were not the softest items around, but that was better than the hard surface," said Sohan Lal, the garbage picker.

A few local auto drivers also helped out. "We arranged a few thick ropes from our tempo driver friends and got them thrown to the students on the upper floors," said Ranjeet Singh, an auto driver.

By the end of the dramatic rescue, at least two dozen students who fell while rappelling down the building survived serious injuries due to the cushion provided by the pile of bags, mattresses, and sacks of bottles.

The students who were able to get out early, meanwhile, carried fire extinguishers in their hands and ran inside the building to douse the flames.

"We were barely able to survive inside due to the thick smoke. The floor was also getting heated and there were students crying inside about losing their footwear in the stampede and their legs burning," said Anish Verma, a student.

The lone narrow staircase barely had enough space for two students to pass through at the same time but that did not deter them. They arranged for hammers from to be thrown upstairs to break the iron meshes around the windows. "From below, we shouted to urge them to break as many window panes as possible so that the smoke could escape," said another student, Ajay Dixit. Others persuaded the dangling students to hold on and guided them about the obstacles on their path while sliding down.

Despite all the cushioning, every other fall required the victims to be moved to hospitals. It was these students who carried them in their arms to the nearest ambulance.

"This successful rescue couldn't have been possible without the active support and help from other students and all stakeholders there," said Jitendra Meena, deputy commissioner of police (northwest).

MCD TO PROBE VIOLATIONS OF BUILDING RULES

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: A major fire that broke out at a coaching institute in Mukherjee Nagar on Thursday has once again put the spotlight on fire safety norms — or the lack thereof — and alleged violations of building codes at this coaching centre hub in north Delhi.

Hours after the incident, the MCD, in its official incident report on Thursday, said the building where the incident took place was a commercial one constructed by DDA, and that the fire started from a short circuit near the electric meter on the ground floor. However, Tata Power Limited — the discom that supplies electricity in north Delhi — said the smoke started from the air-conditioning unit on the fourth floor.

A senior MCD official said the site of fire is a five-storey old and occupied commercial complex constructed 40-45 years ago. "In any case, the commercial building needs a fire NOC (no-objection certificate) for operations," the MCD official said. The blaze led students in the area as well as local residents to flag the lack of safety infrastructure in the neighbourhood. "There are no facilities to avert a fire in any of the buildings here," said Laxman, who runs a shop opposite the coaching centre.

Deputy mayor Aaley Iqbal said the MCD will probe all buildings in the area, and if violations are found, strict penal action will be taken.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

Hindustan Times NEW DELHI FRIDAY JUNE 16, 2023 DATED

Signature View set to be vacated next week

Snehil Sinha
Snehil.sinha@hindustantimes.com

NEW DELHI: Residents of Signature View apartment (SVA) in north Delhi's Mukherjee Nagar on Thursday said they expect to start vacating the complex by next week. On Wednesday, the Delhi Development Authority (DDA), in a meeting with lieutenant governor VK Saxena, approved a final offer to residents, explaining the terms to vacate and rebuild the apartment complex.

Earlier this year, in January, the LG asked DDA to "vacate and dismantle" the 12 towers of SVA after an Indian Institute of Technology, Delhi (IIT-D) report deemed it unfit for habitation.

At Wednesday's meeting, DDA officials said that the authority will offer two options to residents — buy back and reconstruction. The terms of both options have been agreed upon by the RWA and a final agreement will be signed by DDA as well as residents before the residents start vacating the premises, the officials said.

Residents on Thursday said that they are waiting to receive the minutes of the meeting to give a final nod so that the legal formalities can be started.

"We have been told that the minutes of the meeting with all the conditions and proposals mentioned in detail will be shared with us. Once we approve it, DDA will share a draft agreement and will also inform us about the timelines. Meanwhile, we will conduct a general body meeting and get the approval from all residents about the proposal. We are hoping that the paperwork will be completed so that we can begin evacuating in the next one week to 10 days, as we are living in very unsafe conditions," said Amrendra Jha, RWA president.

Jha said that once the legalities are complete, DDA should give residents 30 days to vacate the premises since many would prefer to look for a flat in the vicinity.

"Finding a flat on rent and shifting will take some time and a maximum limit should be given. Most people, especially those with school-going kids, will try to rent a flat nearby," he said.

As per the DDA proposal, HIG flat owners will be offered a rent of ₹50,000 per month and MIG flat owners will be offered ₹38,000 per month for the next three years, till the flats are dismantled and reconstructed.

For those residents who opt for buy back, the DDA will offer to pay the cost of the flat, with 10.6% interest and stamp duty.

DDA officials said that they are finalising the draft. "We are waiting for a formal approval from all residents, after which they can start vacating. Flat owners will have the freedom to choose between any of the two options," said Subhashis Panda, vice chairman, DDA.

In January, LG VK Saxena asked DDA to dismantle the complex after an IIT-D report deemed it unfit for habitation. SANCHIT KHANNA/HT

Life, in a crumbling apartment complex

JUNE 15, 2023: HT reported how the Signature View Apartment residents were living in fear.

DDA: Airport drain 95% complete, ready by July

NEW DELHI: Work on a 2.5km drain that officials promise will permanently solve the issue of flooding at Indira Gandhi International (IGI) airport, is around 95% complete, Delhi Development Authority (DDA) officials aware of the matter said on Thursday, adding that the crucial project is likely to be completed in July.

Year after year, the absence of drainage in the area led to waterlogging incidents at the IGI airport.

The project — a joint effort of DDA, the Railways and Delhi International Airport Limited (DIAL) — will discharge 70,000 litres of water per second during peak rains.

DDA officials said lieutenant governor VK Saxena on Thursday inspected the progress of the project and was informed that much of the work involving the broadening and deepening of drains, construction of a culvert beneath the passing railway track, and the construction of five water bodies in different sectors of Dwarka to absorb the rainwater during the monsoons has been completed.

The project, which was hanging fire since 2019, commenced in November 2022. HTC

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

हिन्दुस्तान नई दिल्ली, शुक्रवार, 16 जून 2023 ERS---DATED---

द्वारका में जलभराव से राहत मिलेगी

सुविधा

95 फीसदी एयरपोर्ट ड्रेन का निर्माण कार्य पूरा

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। मानसून सीजन में आईजीआई हवाई अड्डा और द्वारका क्षेत्र को जलभराव से बड़ी राहत मिलेगी। डीडीए की ओर से बनाई जा रही ड्रेन का निर्माण कार्य 95 फीसदी पूरा हो गया है। जुलाई तक काम पूरा कर लिया जाएगा। दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने गुरुवार को एयरपोर्ट ड्रेन पर हुई प्रगति का जायजा लिया।

मानसून के समय द्वारका और दिल्ली हवाई अड्डे के आसपास रहने वाले लोगों को जलभराव की परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसे समस्या के समाधान के लिए एयरपोर्ट ड्रेन का निर्माण किया जा रहा है। दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना पिछले साल नवंबर से लगातार इस पर हो रहे कार्य की निगरानी कर रहे हैं। यहां पर 2.5 किलोमीटर लंबा, बीस मीटर चौड़ा और दो मीटर गहरा नाला बनाया जा रहा है। इसका 95 फीसदी तक काम पूरा हो चुका है। जुलाई तक इसे तैयार कर लिया जाएगा।

वर्ष 2019 से यह परियोजना अनुमति नहीं मिलने की वजह से अटकी हुई थी। उप राज्यपाल के हस्तक्षेप के बाद पेड़ों को अन्य जगह पर रोपने करने की अनुमति मिलने पर 20 नवंबर से ड्रेन का काम शुरू हुआ था।

ड्रेन के निर्माण के साथ ही डीडीए ने द्वारका क्षेत्र में पांच जलाशयों का भी निर्माण कराया है। जिनका उपयोग मानसून के दौरान बारिश के पानी का भंडारण करने के लिए किया जाएगा। चार मीटर तक की गहराई वाले ये जलाशय 12.20 करोड़ लीटर पानी का संग्रह कर सकते हैं। इससे सड़कों पर जलभराव को भी रोका जा सकेगा, जबकि भूमिगत जल के संभरण में भी इनकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी।

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । शुक्रवार, 16 जून 2023

ओल्ड गाज़ीपुर रोड पर बनेगा 5 लेन का RFID टोल प्लाज़ा

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

- डीडीए ने 7205 स्क्वॉयर मीटर ज़मीन का लैंड यूज बदलने के प्रस्ताव को दी मंज़ूरी
- आरएफआईडी सिस्टम से लैस होगा नया टोल प्लाजा

File Photo

अभी यहां एनएच-24 पर मैनुअली टोल लिया जाता है

ओल्ड गाजीपुर में एनएच-24 पर पांच लेन का टोल प्लाजा बनाने का रास्ता साफ हो गया है। आरएफआईडी सिस्टम से लैस इस टोल प्लाजा के लिए डीडीए ने यहां 7205 स्क्वॉयर मीटर जगह का लैंड यूज बदलने के प्रस्ताव को पास कर दिया है। इस जगह के लैंड यूज को रीक्रिएशनल से बदलकर ट्रांसपोर्टेशन करने को मंजूरी दी गई है।

डीडीए के अनुसार राजधानी के बॉर्डरों पर जाम न लगे इसके लिए इंतजाम किए जा रहे हैं। यह टोल प्लाजा पांच लेन का होगा और एमसीडी इसका संचालन करेगी। अभी यहां मैनुअली टोल लिया जाता है। इसकी वजह से वक्त ज्यादा लगता है और गाड़ियों को लंबी लाइनों में लगना पड़ रहा है। पांच लेन के आरएफआईडी वाले टोल प्लाजा से ट्रैफिक स्मूद हो सकेगा।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उस समय की साउथ एमसीडी ने 13 रोड एंट्री पॉइंट पर आरएफआईडी तकनीक पर आधारित इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन सिस्टम शुरू किया था। इन 13 टोल पॉइंट पर कुल 65 टोल लेन हैं। साउथ एमसीडी ने डीडीए से अपील की थी कि उन्हें ओल्ड गाजीपुर रोड पर टोल प्लाजा बनाने के लिए 7205 स्क्वॉयर मीटर की जगह दी जाए। यहां पर RFID से लैस पांच लेन का टोल प्लाजा बनेगा। इससे टोल टैक्स और एनवायरनमेंट कंपनसेशन चार्ज कैशलेस हो सकेगा।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS----------DATED----------

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । शुक्रवार, 16 जून 2023

दिल्ली एयरपोर्ट को मॉनसून में जलभराव से बचाने की तैयारी

■ **विस, नई दिल्ली:** मॉनसून के दौरान दिल्ली एयरपोर्ट को जलभराव से बचाने के लिए रही ड्रेन का काम 95 प्रतिशत पूरा हो गया है। दावा है कि जुलाई तक बाकी काम भी पूरा कर लिया जाएगा। डीडीए ने रेलवे और दिल्ली इंटरनैशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) की मदद से इस काम को लगभग आठ महीने में पूरा किया है। दावा है कि 2.5 किलोमीटर लंबी, 20 मीटर चौड़ी और दो मीटर गहरी यह ड्रेन जुलाई तक तैयार हो जाएगी। एलजी वीके सक्सेना इस प्रोजेक्ट की निगरानी कर रहे हैं।

आईजीआई एयरपोर्ट पर हर साल मॉनसून के दौरान पानी भर जाता है। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होती हैं। एलजी ने गुरुवार को इस प्रोजेक्ट का दौरा किया। यह नाला एयरपोर्ट से बारिश के पानी को लाकर नजफगढ़ ड्रेन में छोड़ेगा।

एलजी वीके सक्सेना ने गुरुवार को इस प्रोजेक्ट का दौरा किया, ड्रेन का काम 95% पूरा हो गया है